B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2019 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : CC-III

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दश प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीमाश्रित्य समाधेयाः। प्रत्येकं विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दशानां प्रश्नानाम् उत्तरं समाधीयताम्।

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলি থেকে *দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেক বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে। 2×10=20

'क' विभागः

'ক' বিভাগ

(a) दर्पसारः अनुजं कीर्तिसारं प्रति कथं क्रुद्धो जातः?
দর্পসার অনুজ কীর্তিসারের প্রতি ক্রুদ্ধ হয়েছিলেন কেন?

(b) 'उत्तमाङ्गना' शब्दस्य कोऽर्थः? का च उत्तमाङ्गना?
'উত্তমাঙ্গনা' শব্দের অর্থ কী? 'উত্তমাঙ্গনা' কে?

(c) राजहंसः केन पराजितः पलायितश्च?
রাজহংস কার দ্বারা পরাজিত হয়েছিলেন ও পলায়ন করেছিলেন?

(d) वालचन्द्रिका का आसीत्? तस्याः पतिः कः आसीत्?
বালচন্দ্রিকা কে ছিলেন? তাঁর স্বামী কে ছিলেন?

(e) सुरतमञ्जरी केन कथंच रौप्यशृङ्खले परिणता?
সুরতমঞ্জরী কার দ্বারা কীভাবে রজতশৃঙ্খলে পরিণত হন?

'ख' विभागः

'খ' বিভাগ

(a) ''अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्'' कः कं प्रति एवमुक्तवान्?
''अतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्'' কে কাকে এই কথা বলেছিলেন?

(b) कादम्बरीकाव्यस्य टीकाकारद्वयस्य नाम लेख्यम्।
'कादम्बरी' কাব্যের টীকাকারদ্বয়ের নাম লেখো।

(c) 'नाल्पमुपदेष्टव्यम्'—इत्यस्य पदस्य सन्धिविच्छेदः कार्यः।
'नाल्पमुपदेष्टव्यम्' —এই পদটির সন্ধিবিচ্ছেদ করো।

(d) 'राज्यविषविकारतन्द्रीप्रदाराजलक्ष्मी:'—केन प्रसङ्गेन इदमुक्तम्?
'राज्यविषविकारतन्द्रीप्रदाराजलक्ष्मी:' কোন প্রসঙ্গে এই কথা বলা হয়েছে?

(e) कादम्बरीकाव्यस्य वक्ता क: भवति? 'कादम्बरी' इति शब्दस्य कोऽर्थ:?
'कादम्बरी' কাব্যের বক্তা কে? 'कादम्बरी' শব্দের অর্থ কী?

'ग' विभाग:

'গ' বিভাগ

(a) 'दशकुमारचरितस्य' उपजीव्य विषय: कोऽस्ति?
'दशकुमारचरित' —এর উপজীব্য বিষয় কী?

(b) कादम्बर्य्या सहनायक: सहनायिका च कौ स्त:?
'कादम्वरी'—র সহনায়ক এবং সহনায়িকা কারা?

(c) कानि च पञ्चतन्त्राणि?
'পঞ্চতন্ত্র'-র পাঁচটি তন্ত্র কী কী?

(d) पञ्चतन्त्रमनुसृत्य क: ग्रन्थ: रचित:? को वास्य रचयिता?
'পঞ্চতন্ত্র'কে অনুসরণ করে কী গ্রন্থ রচিত হয়? ঐ গ্রন্থের রচয়িতা কে?

(e) 'सिंहासनद्वात्रिंशिका'—इति ग्रन्थ: केन रचित:? अत्र कस्य राज्ञ: उल्लेख: अस्ति?
'सिंहासनद्वात्रिंशिका' গ্রন্থটি কার দ্বারা রচিত? এখানে কোন রাজার উল্লেখ আছে?

2. अध:स्थितेषु प्रश्नेषु यथाकामं *चतुर्णां* प्रश्नानां विधेयं समाधानम्। तेषु प्रश्नेषु यत्किञ्चन द्वितयं सुरगिरा समाधीयताम्:
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লিখতে হবে। তার মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লেখো।
5×4=20

(a) बङ्गभाषया अनुवाद: क्रियताम् :
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ
'चम्पेश्वरोऽपि सिंहवर्मा सिंह इवासह्यविक्रम: प्राकारं भेदयित्वा महता बलसमुदायेन निर्गत्य स्वप्रहितदूतभ्राताहूतानां साहाय्यदानायातिसत्वरमापततां धरापतीनामचिर कालभाविन्यपि सन्निधावदत्तापेक्ष: साक्षादिवावलेपो वपुष्मानक्षमापरीत: प्रतिबलं प्रतिजग्राह।

अथवा,

अथासौ पितृप्रयुक्तवैरे प्रवर्तमाने विद्याधर चक्रवर्त्तिनि वत्सराजवंशवर्धने नरवाहनदत्ते विरसाशयस्तदपकार-क्षमोऽयमिति तपस्यता दर्पसारेण सह समसृज्यत। प्रतिश्रुतश्च तेन तस्मै स्वसुखन्तिसुन्दर्या: प्रदानम्।

(b) बङ्गभाषया अनुवाद: क्रियताम् :
বাংলা ভাষায় অনুবাদ করো ঃ
एवं समतिक्रामत्सु केषुचिद् दिवसेषु राजा चन्द्रापीड़स्य यौव राज्याभिषेकं चिकीर्षु: प्रतीहारानुपकरणसंभारसंग्रहार्थमादि देश। समुपस्थितयौवराज्याभिषेकञ्च तं कदाचिद्दर्शनार्थमागतमारुढविनयमपि विनीततरमिच्छन् शुकनास: सविस्तरमुवाच।

अथवा,

सरस्वती परिगृहीतमीर्ष्ययेव नालिङ्गतिजनम्, गुणवन्तमपवित्रमिव न स्पृशति। उदारसत्त्वममङ्गलमिव न बहुमन्यते, सुजनमनिमित्तमिव न पश्यति। अभिजातमहिमिव लङ्घयति, शूरं कण्टकमिव परिहरति दातारं दु:स्वप्रमिव न स्मरति विनीतं पातकिनमिव नोपसर्पति।

(c) सप्रसङ्गं सरलसंस्कृतभाषया व्याख्यायताम्।
সপ্রসঙ্গ সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা লেখো ঃ
अपरिणामोपशमो दारुणो लक्ष्मीमदः।

अथवा,

चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः, किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरोभवति वड़वानलोवारिणा।

(d) अधस्तात् कस्यचिदेकस्य संक्षिप्ता टिप्पणी विधेया :
নীচের যে কোনো *একটির* সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো ঃ
पुरुषपरीक्षा, वेतालपञ्चविंशतिः, कादम्बरी।

(e) 'कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यपरमैश्वर्यतिमिरान्धत्वम्'-कः कं प्रति एवम् उपदिष्टवान्। तात्पर्यञ्च किम्?
'कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यपरमैश्वर्यतिमिरान्धत्वम्'-কে কাকে এই উপদেশ দিয়েছেন? এর তাৎপর্য কী?

(f) 'तमोपहस्त्वयादत्तो ज्ञानप्रदीपः' — कस्याः कं प्रति उक्तिरियम्? उक्तेरस्याः तात्पर्यञ्च किम्?
'तमोपहस्त्वयादत्तो ज्ञानप्रदीपः' — কে কার প্রতি এই উক্তি করেছেন? এর তাৎপর্য কী?

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथेच्छं *प्रश्नद्वयं* लिख्यताम् :
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলোর মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও ঃ 10×2=20

(a) 'राजवाहनचरितम्' इति आख्याने चण्डवर्मणः चरितं वर्ण्यताम्।
'राजवाहनचरितम्' এই আখ্যানে চণ্ডবর্মার চরিত্র বর্ণনা করো।

(b) शुकनासस्य मते लक्ष्म्याः चरित्रवैशिष्ट्यम् आलोच्यताम्।
শুকনাসের মতে 'लक्ष्मी' চরিত্রের বৈশিষ্ট্য আলোচনা করো।

(c) पाठ्यांशस्य अवलम्बनेन 'दण्डिनः पदलालित्यम्' इत्युक्तेः पर्यालोचनं कार्यम्।
পাঠ্যাংশের অবলম্বনে 'दण्डिनः पदलालित्यम्' —এই উক্তিটির পর্যালোচন করো।

(d) 'हितोपदेशः, 'वासवदत्ता' द्वयोः ग्रन्थयोः विषये आलोच्यताम्।
'हितोपदेशः, 'वासवदत्ता' —দুটি গ্রন্থের বিষয়ে আলোচনা করো।